विन्ध्य

नवभारत

रक्षा के लिए विचारों में स्पष्टता, उद्देश्य में दृढ़ता और अनुशासन जरूरी : एडमि. त्रिपाठी

आज का युवा ही कल का राष्ट्र निर्माता है : नौसेना अध्यक्ष दिनेश त्रिपाठी, आत्मसंयम, समय का सम्मान, राष्ट्रभक्ति और नेतृत्व के गुण सफलता के मूलमंत्र

नवभारत न्यूज

रीवा, 19 जुलाई, विन्ध्य क्षेत्र के गौरव और भारतीय नौसेना के अध्यक्ष एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रेरक उद्बोधन दिया।

एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्र की रक्षा केवल शस्त्रों और सीमाओं की निगरानी से ही नहीं होती है. इसके लिए विचारों में स्पष्टता, उद्देश्य में दृढ़ता और अनुशासन में निरंतरता आवश्यक है. आज का युवा ही कल का राष्ट्र निर्माता है. युवाओं का दृष्टिकोण और संकल्पशक्ति ही देश की दिशा और दशा तय करते हैं. एडमिरल त्रिपाठी ने अपने गौरवमयी सैन्य जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि आत्मसंयम, समय का सम्मान, राष्ट्रभक्ति और नेतृत्व के गुण किसी भी क्षेत्र में सफलता के मूलमंत्र हैं. हर विद्यार्थी को अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के साथ समाज के लिए अनुकरणीय योगदान देना चाहिए. वर्तमान शताब्दी भारत की शताब्दी है. देश को उन्नति की ऊंचाईयों तक ले जाने और समग्र विकास में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है. हर युवा को अपनी प्रतिभा और कठिन परिश्रम से समाज को सर्वोत्तम योगदान देना है. जीवन की असफलताओं से सीख लेकर मन की हताशा को मिटाकर पूरे उत्साह के साथ अपने लक्ष्य की पूर्ति का प्रयास करना चाहिए. जीवन में सदैव सकारात्मक दृष्टिकोण से उत्साह के साथ आगे बढ़ने के प्रयास करें. उन्होंने नौसेना का उदाहरण देते हुए कहा कि नौसेना, थलसेना और वायुसेना से समन्वय बनाकर संयुक्त शक्ति के रूप में राष्ट्र की रक्षा करती है. आगे बढ़ने और सफलता प्राप्त करने के लिए समन्वय के साथ ही प्रयास करना होगा. नौसेना अध्यक्ष ने विद्यार्थियों को नशामुक्त भारत की शपथ दिलाई. ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय पहुंचने पर नौसेना अध्यक्ष श्री त्रिपाठी का आत्मीय और भावभीना स्वागत किया गया. कार्यक्रम का संयोजन और समन्वय डॉ अमित तिवारी ने किया.

कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ अखिलेश शुक्ल ने किया. कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, प्रोफेसर संजय शंकर मिश्रा, प्रोफेसर अजय शंकर पाण्डेय, डॉ महानंद द्विवेदी, महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकगण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे.

कैडेट्स ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

एनसीसी कैडेट्स ने नौसेना अध्यक्ष को गार्ड ऑफ आनर प्रस्तुत करके गरिमा प्रदान की. समारोह में प्राचार्य डॉ अर्पिता अवस्थी ने मुख्य अतिथि एडमिरल त्रिपाठी को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया. कार्यक्रम में जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र ताम्रकार ने नौसेना अध्यक्ष का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया. संस्था की ओर से नौसेना अध्यक्ष को अभिनंदन पत्र भेंट किया गया. समारोह में छात्राओं द्वारा बनाए गए एडमिरल त्रिपाठी के स्केच को भेंट किया गया.

स्टार समाचार

सिटी स्टार

टीआरएस कॉलेज के युवा अभिप्रेरण कार्यक्रम में शामिल हुए नौसेना प्रमुख

राष्ट्र की रक्षा के लिए उद्देश्य में दृढ़ता और अनुशासन आवश्यक : त्रिपाठी

ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय के युवा अभिप्रेरण कार्यक्रम में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुये। शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में सेनाअध्यक्ष दोपहर करीब 1 बजे पहुंचे। इस दौरान एनसीसी कैडेट्स ने उन्हें गार्ड आफ ऑनर दिया। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्र की रक्षा केवल शस्त्रों और सीमाओं की निगरानी से ही नहीं होती है। इसके लिए विचारों में स्पष्टता, उद्देश्य में दृढ़ता और अनुशासन आवश्यक है। आज का युवा ही कल का राष्ट्र निर्माता है। युवाओं का दृष्टिकोण और संकल्पशक्ति ही देश की दिशा और दशा तय करते हैं। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने विद्यार्थियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई।

- एनसीसी कैडेट्स ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर
- छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति की दिलाई शपथ

स्टार समाचार | रीवा

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर हुआ। जहाँ प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी ने मुख्य अतिथि का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। रेडक्रॉस और एनएसएस के छात्रों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। महाविद्यालय की शौर्यगाथा से जुड़े अमर शहीद ठाकुर रणमत सिंह, शहीद पद्मधर सिंह और माँ सरस्वती की प्रतिमाओं पर मुख्य अतिथि ने माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सभागार में प्रवेश पर छात्रों ने स्वागत गीत से समां बांध दिया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज का युवा ही कल का राष्ट्र निमार्ता है। उसकी सोच और संकल्प ही देश की दिशा और दशा तय करते हैं। अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि आत्मसंयम, समय का सम्मान, राष्ट्रभक्ति और नेतृत्व के गुण किसी भी क्षेत्र में सफलता के मूल मंत्र हैं। उन्होंने छात्रों को समाज के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया और कहा कि यह शताब्दी भारत की है। ऐसे में युवा विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे ऐसे कार्य करें, जिससे वे समाज के लिए उदाहरण बन सकें। उन्होंने उन्हें कठोर परिश्रम करने और अपने प्रयासों का सर्वोत्तम समाज को देने की सीख दी। आत्ममूल्यांकन के महत्व पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि असफलताओं से हताश होने के बजाय उनसे सीख लेकर

कॉलेज परिवार ने भेंट किया स्मृति चिन्ह

जनभागीदारी अध्यक्ष राजेन्द्र ताम्रकार द्वारा मुख्य अतिथि का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। विभिन्न संकायों की ओर से डॉ. संजय सिंह (विज्ञान संकाय), डॉ. अजय शंकर पाण्डेय (कला संकाय), डॉ. संजय शंकर मिश्रा (वाणिज्य संकाय) और महाविद्यालय परिवार की ओर से प्रशासनिक अधिकारी डॉ. महानंद द्विवेदी ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इसके उपरांत प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी ने मुख्य अतिथि को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और अभिनंदन पत्र का वाचन कर उन्हें महाविद्यालय की ओर से आभार व्यक्त किया। छात्राओं द्वारा मुख्य अतिथि को स्केच भेंट किया गया। कार्यक्रम की संकल्पना तथा समन्वय का दायित्व डॉ. अमित तिवारी ने निभाया। कार्यक्रम का संचालन समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अखिलेश शुक्ल ने किया। डॉ. मनीष शुक्ला ने धन्यवाद ज्ञापन किया। म.प्र. पुलिस द्वारा नशे से दूरी, है जरूरी जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक रीवा श्री विवेक सिंह के नेतृत्व में नशा मुक्ति की शपथ ली गई। राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की हुई प्रस्तुति

उक्त कार्यक्रम के बाद शाम 4 बजे महाविद्यालय के दरबार सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति हुई। इस दौरान राजस्थान की ममता राठौर के दल ने कालबेलिया एवं घूमर नृत्य, लखनऊ की नेहा सिंह सेंगर दल ने कथक नृत्य नाटिका, सागर की विनीता दोहरे दल ने बधाई नृत्य, वृंदावन के विनय कुमार गोस्वामी दल ने मयूर नृत्य, रीवा की अजिता द्विवेदी ने बघेली एवं बुंदेलखंडी लोक गायन, भिवानी हश्रियाणा की शिखा पाल के दल ने फाग, धमाल एवं घूमर, वाराणसी की करिश्मा केसरी ने भरनाट्यम नाटिका एवं रीवा की राखी द्विवेदी ने बघेली एवं बुंदेलखंडी गायन की प्रस्तुति दिया। उक्त कार्यक्रमों ने उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया।

नए उत्साह और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ना चाहिए। नौसेना जैसे शक्तिशाली सैन्य संगठन का उदाहरण देते हुए उन्होंने संयुक्त शक्ति की अवधारणा को रेखांकित किया। जहाँ थल, वायु और जल सेनाएँ मिलकर राष्ट्र की रक्षा करती हैं।

www.starsamachar.com
रीवा, सोमवार, 21 जुलाई 2025 स्टार समाचार

सैनिक स्कूल के छात्र देश-विदेश में रीवा को नई पहचान दे रहे हैं : एडमिरल

- सैनिक स्कूल रीवा का 64वां स्थापना दिवस समारोह संपन्न

स्टार समाचार | रीवा

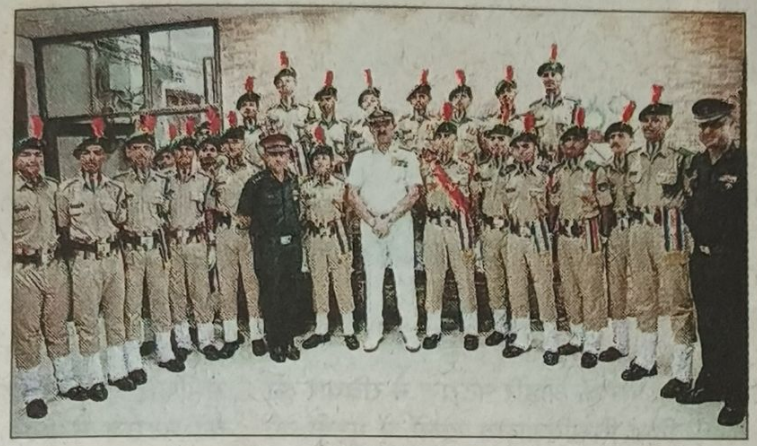

विंध्य क्षेत्र की शान सैनिक स्कूल रीवा के 64 वें स्थापना दिवस व पद अलंकरण समारोह का आयोजन रविवार को संपन्न हुआ। जिसमें एडमिरल दिनेश त्रिपाठी, पीवीएसम, एवीएसएम, एनएम, नौसेना प्रमुख बतौर मुख्य आतिथ शामिल हुये। इस अवसर पर कर्नल अविनाश रावल, प्राचार्य, लेफ्टिनेंट कर्नल एपीएस भुल्लर, प्रशासनिक अधिकारी, स्क्वाड्रन लीडर सीएच त्रिलोक कुमार, उप प्राचार्य, डॉ. आरएस पाण्डेय, वरिष्ठ अध्यापक, समस्त शिक्षक, पूर्व शिक्षक, पुराछात्र, कर्मचारी व छात्र उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त विशिष्ट अतिथि के रूप में पुष्पराज सिंह जूदेव, रीमा सिंधु, कृति पाल सिंह भुल्लर तथा गोल्डन व सिल्वर जुबली बैच के पुरा छात्र उपस्थित रहे। सर्वप्रथम सैनवा स्मारक पर श्रद्धांजलि दी गई। तत्पश्चात विद्यालय के परेड ग्राउंड पर मुख्य अतिथि ने ध्वजारोहण एवं परेड का निरीक्षण किया।

तदुपरान्त मानेकशॉ सभागार में विशेष सभा का आयोजन किया गया, जिसमें कैडेट द्वारा पुष्प गुच्छ प्रदान कर व स्वागत गान के द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया। प्राचार्य ने विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। तत्पश्चात पद अलंकरण समारोह का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में छात्रों को रक्षा सेवाओं में योगदान देने हेतु प्रोत्साहित करते हुए कहा कि अपनी मेहनत लगन एवं गुरु के प्रति निष्ठा के बलबूते पर एक सामान्य सा छात्र भी दुनिया की बुलन्दियों को छू सकता है। मुख्य अतिथि नें अपने उदबोधन में वर्तमान छात्रों को अपने समय के छात्रों से अधिक आत्मविश्वास से पूर्ण व जागरूक बताते हुए उनके उज्जवल भविष्य को सुनिश्चित बताया। उन्होंने कहा कि सैनिक स्कूल रीवा के छात्र रक्षा सेवा के साथ साथ अन्य सभी विशिष्ट क्षेत्रों में विद्यालय व विंध्य क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं तथा देश विदेश में रीवा को नई पहचान दे रहे हैं।

छात्र नए भारत के निर्माता

मुख्य अतिथि ने सभी कैडेट्स से आह्वान किया कि जो सपना 2047 तक देश को एक पूर्ण रूप से विकसित देश बनाने का देख रहे है उसमें उनका योगदान उल्लेखनीय रहेगा। उन्होंने छात्रों को ही नये भारत का निमार्ता, निर्देशक व कलाकार बताया। अंत में उन्होंने अपने समय को याद करते हुए सभी शिक्षकों व प्रथम प्राचार्य कर्नल आरआर नारंग को धन्यवाद ज्ञापित किया।

अनुदान में दिया पांच लाख रुपये

इस अवसर पर मुख्य अतिथि नें विद्यालय को पांच लाख रुपये की राशि अनुदान की। तत्पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा नवीनीकृत तरण ताल का उद्घाटन किया गया। साथ ही पुराछात्रों द्वारा प्रायोजित नवनिर्मित साइंस पार्क का उद्घाटन प्राचार्य द्वारा किया गया। इसी श्रृंखला में विद्यालय के मानेकशा सभागार में गोल्डन व सिल्वर जुबली बैच के पुराछात्रों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। पुराछात्रों के द्वारा विगत वर्ष में शिक्षा एवं खेलकूद के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया। इसी क्रम में टाइम मशीन का प्रदर्शन एवं न्यूजलेटर व विद्यालय की वार्षिक पत्रिका का अनावरण किया गया। अन्त में प्राचार्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया और राष्ट्रगान के द्वारा सभा का समापन हुआ।

नव स्वदेश

सैनिक स्कूल रीवा ने नौसेना प्रमुख की गरिमामयी उपस्थिति में समारोह पूर्वक मनाया 64वां स्थापना दिवस

सामान्य सा छात्र भी मेहनत, लगन व गुरुनिष्ठा से दुनिया की बुलंदियों को छू सकता है: एडमिरल त्रिपाठी

- नये व पूर्ण विकसित भारत के निर्माण में योगदान के लिए छात्रों का किया गया आह्वान

नवस्वदेश ■ रीवा

विंध्य की शान सैनिक स्कूल रीवा ने आज नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी के मुख्य आतिथ्य में 64वां स्थापना दिवस गरिमापूर्ण तरीके से मनाया। इस अवसर पर पद अलंकरण समारोह का आयोजन भी किया गया। इसी सैनिक स्कूल रीवा के दीक्षित छात्र दिनेश कुमार त्रिपाठी आज भारतीय नौसेना के सर्वोच्च पद पर स्थापित हैं और समूचे विंध्य का मान, राष्ट्रपटल पर बढ़ा रहे हैं। सैनिक स्कूल के स्थापना दिवस व पद अलंकरण समारोह के मुख्य अतिथि एडमिरल त्रिपाठी ने छात्रों को राष्ट्र सेवा तथा रक्षा सेवाओं में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि मेहनत, लगन एवं गुरु निष्ठा के बल पर सामान्य छात्र भी दुनिया की बुलंदियों को छू सकता है। सैनिक स्कूल रीवा के छात्र रक्षा सेवा के साथ-साथ देश-विदेश में अन्य विशिष्ट क्षेत्रों में भी अपनी उल्लेखनीय सेवाएं देकर विद्यालय व विंध्य क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं तथा विश्वपटल पर रीवा को नई पहचान दे रहे हैं। नौसेना प्रमुख ने अपने समय के छात्रों की अपेक्षाकृत वर्तमान छात्रों को अधिक आत्मविश्वास से पूर्ण व जागरूक बताया और कहा कि इनका भविष्य उज्जवल व सुरक्षित है। उन्होंने आह्वान किया कि हम 2047 तक देश को पूर्ण विकसित देश का जो सपना देख रहे हैं उसमें सभी कैडेट्स का योगदान जरूरी है। नेवी चीफ ने सैनिक स्कूल में अध्ययनरत कैडेट्स को नए भारत का निर्माता, निर्देशक व कलाकार बताते हुए अपने छात्र जीवन को याद किया तथा सभी शिक्षकों सहित विद्यालय के प्रथम प्राचार्य कर्नल आर.आर. नारंग के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर कर्नल अविनश रावल प्राचार्य, लेफ्टिनेंट कर्नल एपीएस भुल्लर, प्रशासनिक अधिकारी, स्क्वाड्रन लीडर सी.एच. त्रिलोक कुमार उपप्राचार्य, डॉ. आर.एस. पाण्डेय वरिष्ठ अध्यापक, समस्त शिक्षक, पूर्व शिक्षक, पुरा छात्र, कर्मचारी व छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री महाराजा पुष्पराज सिंह श्रीमती रीमा सिंधु, श्रीमा कृतिपाल सिंह भुल्लर तथा गोल्ड व सिल्वर जुबली बैच के पु छात्र शामिल हुए।

विद्यालय को दिए 5 लाख रुपए अनुदान

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडमिरल द्वारा सैनिक स्कूल पहुंचकर सैनवा स्मारक पर श्रद्धांजलि दी गई। उसके बाद परेड ग्राउण्ड में ध्वजारोहण एवं परेड का निरीक्षण किया गया। विद्यालय के मानेकशॉ सभागार में आयोजित विशेष सभा में कैडेट्स ने पुष्पगुच्छ प्रदान कर व स्वागत गान के द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया। प्राचार्य द्वारा इस मौके पर विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने विद्यालय की उपलब्धियों एवं वर्तमान तथा भविष्य की परियोजनाओं से अवगत कराया। तत्पश्चात् पद अलंकरण समारोह का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि ने विद्यालय को 5 लाख रुपए की राशि अनुदान की। उन्होंने नवीनीकृत तरणताल का उद्घाटन किया। प्राचार्य द्वारा पुरा छात्रों के सौजन्य से नवनिर्मित साइंस पार्क का उद्घाटन किया गया।

गोल्डन व सिल्वर जुबली बैच के पुरा छात्रों का अभिनंदन

20 जुलाई को सैनिक स्कूल रीवा के स्थापना दिवस के मौके पर गोल्डन व सिल्वर जुबली बैच के पुरा छात्रों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। पुरा छात्रों द्वारा विगत वर्ष में शिक्षा एवं खेलकूद के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत व सम्मानित किया गया। इसी क्रम में टाइम मशीन का प्रदर्शन एवं न्यूज लेटर व विद्यालय की वार्षिक पत्रिका का अनावरण किया गया। प्राचार्य के धन्यवाद ज्ञापित व राष्ट्रगान के साथ सभा का समापन हुआ। सायंकालीन पुरा एवं वर्तमान छात्रों के बीच फुटबॉल मैच खेला गया, यह परम्परा स्कूल की स्थापना के समय से ही चली आ रही है।

नवभारत 10
सतना, रविवार, 27 जुलाई, 2025

हमारे वीर सैनिक देश के आन-बान-शान के सच्चे प्रहरी हैं : डॉ. मोहन

कारगिल विजय दिवस पर मुख्यमंत्री ने दी वीर शहीदों को श्रद्धांजलि, वीर नारियों को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित, डेयर डेविल टीम ने दिखाए साहसिक कारनामें

नवभारत न्यूज

रीवा, 26 जुलाई, कारगिल विजय दिवस के अवसर पर सैनिक स्कूल रीवा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहीद स्मारक में पुष्पचक्र अर्पित कर देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले वीर सैनिकों की शहादत को नमन किया.

मुख्यमंत्री ने कारगिल युद्ध में शहीद सैनिकों के चित्र पर भी पुष्पांजलि अर्पित की. इस अवसर पर उन्होंने कारगिल युद्ध में शहादत देने वाले गनर छोटे लाल सिंह की पत्नी श्रीमती विद्या देवी तथा नायक कालू प्रसाद की पत्नी श्रीमती श्यामकली देवी को शाल और श्रीफल कर सम्मानित किया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे वीर सैनिक देश की आन-बान-शान के सच्चे प्रहरी हैं. हमारी तीनों सेनाएँ मर्यादा में रहकर देश की सीमाओं की रक्षा के लिए सदैव तत्पर हैं. 1999 का कारगिल युद्ध अब तक का सबसे चुनौती पूर्ण युद्ध रहा है. दुश्मन ने छल से देश की सीमा के अंदर घुसपैठ कर ऊंचे स्थानों पर छिपकर हमला किया था. लेकिन 60 से अधिक दिनों तक चले इस चुनौती पूर्ण युद्ध में हमारी सेना ने अपने पुरूषार्थ और पराक्रम से असंभव से लगने वाले कार्य को भी संभव कर दिखाया. कारगिल युद्ध के दौरान हमें रोज नई वीर गाथाएँ सुनने को मिल रही थी. हमारे प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में वीर सैनिकों ने हर कठिन चुनौती का सामना कर दुश्मन को मार भगाने का काम किया. इस अवसर पर भारतीय सेना की डेयर डेविल टीम द्वारा अपने सहासिक कारनामों से अतिथियों में ऊर्जा का संचार किया गया तथा सभी को देश प्रेम की भावना से ओतप्रोत किया. कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री ने भारतीय सेना के मोटर साइकिल अभियान वीरता के पहिये को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया. कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री और रीवा जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, सांसद जनार्दन मिश्र, विधायक सिरमौर दिव्यराज सिंह, विधायक त्योंथर सिद्धार्थ तिवारी, विधायक मनगवां नरेन्द्र प्रजापति, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्य नागरिकों ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर वीर सैनिकों की शहादत को नमन किया.

शहादत देने वाले लोग बहुत पुण्यशाली होते हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश सशक्त हुआ है. यह देश का स्वर्णिम काल है. आज हमारी सेना अमेरिका और इजराइल की तरह अपने देश की सीमा के बाहर भी दुश्मनों को मारने में सक्षम है. सर्जिकल स्ट्राइक, विंग कमांडर अभिनंदन की वापसी और आपरेशन सिंदूर के माध्यम से देश ने बता दिया है कि यदि आतंकवाद की घटनाएं नहीं रूकी तो उन्हें घर में घुसकर मारेंगे. मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना के शौर्य और पराक्रम ने प्रत्येक देशवासी को गौरवान्वित किया है. सैनिक स्कूल के योगदान की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि आज देश की थल सेना और नौ सेना का नेतृत्व करने वाले दोनों अध्यक्ष विन्ध्य के सपूत हैं और उनकी नींव सैनिक स्कूल में रखी गयी है. मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के लिए शहादत देने वाले लोग बहुत ही पुण्यशाली होते हैं. पूरी निष्ठा से देश के विकास में अपना योगदान देना ही इन वीर शहीदों को सच्ची श्रृद्धांजलि होगी.

देश के लिए विंध्य के सैनिकों का अभूतपूर्व योगदान : शुक्ल

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि देश की आन-बान-शान को बनाए रखने में विंध्य के सैनिकों ने अपना अभूतपूर्व योगदान दिया है. विंध्य के हमारे सैनिक सपूत देश की धरोहर हैं. उन्होंने भारत माता की रक्षा के लिए पूरे जोश के साथ अदम्य साहस से देश की रक्षा की. उप मुख्यमंत्री ने पूर्व सैनिक कल्याण संगठन द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि एवं शौर्य सम्मान समारोह में भूतपूर्व सैनिकों को सम्मानित किया. माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय में आयोजित कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर उप मुख्यमंत्री ने विंध्य के शहीद सैनिकों को नमन किया और कहा कि उनकी शहादत हमें आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करती रहेगी. वहीं उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि कारगिल विजय दिवस हमारी सेना के शौर्य एवं पराक्रम को प्रदर्शित करता है. हमारी सेना ने दिखा दिया की जो हमारी तरफ आंख उठाने की हिम्मत करता है उसका हम मुंह तोड़ जवाब देते हैं. मानस भवन रीवा में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद द्वारा आयोजित कारगिल विजय दिवस के अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने वीर नारियों का शाल और श्रीफल से सम्मान किया. उन्होंने कहा कि हमारे वीर सैनिकों की शहादत चिर स्मरणीय रहेगी और उनके अदम्य साहस का गुणगान हमेशा होता रहेगा.

करगिल विजय दिवस पर मुख्यमंत्री ने दी वीर शहीदों को श्रद्धांजलि

ऑपरेशन सिंदूर से हर देशवासी गौरवान्वित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रीवा. करगिल विजय दिवस के अवसर पर सैनिक स्कूल रीवा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कारगिल युद्ध में शहादत देने वाले गनर छोटे लाल सिंह की पत्नी विद्या देवी तथा नायक कालू प्रसाद की पत्नी श्बामकली देवी को शाल और श्रीफल से सम्मानित किया। कार्यक्रम में भारतीय सेना की डेयर डेविल टीम ने अपने साहसिक करतबों से उपस्थितजनों में ऊर्जा और उत्साह का संचार किया। मुख्यमंत्री ने 'वीरता के पहिएं' नामक मोटरसाइकिल अभियान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे वीर सैनिक देश की आन-बान-शान के सच्चे प्रहरी हैं। हमारी तीनों सेनाएं मर्यादा में रहकर देश की सीमाओं की रक्षा के लिए सदैव तत्पर हैं। 1999 का करगिल युद्ध अब तक का सबसे चुनौती पूर्ण युद्ध रहा है। लैकिन 60 से अधिक दिनों तक चले इस चुनौतीपूर्ण युद्ध में हमारी सेना ने अपने पुरुषार्थ और पराक्रम से असंभव से लगने वाले कार्य को भी संभव कर दिखाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश सशक्त हुआ है। कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक, विंग कमांडर अभिनंदन की वापसी और आपरेशन सिंदूर के माध्यम से देश ने बता दिया है कि यदि आतंकवाद की घटनाएं नहीं रुकी तो उन्हें घर में घुसकर मारेंगे। सैनिक स्कूल के योगदान की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात हैं कि आज देश की थल सेना और नौ सेना का नेतृत्व करने वाले दोनों अध्यक्ष विन्ध्य के सपूत हैं और नींव सैनिक स्कूल में रखी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि करगिल युद्ध भारतीय सेना के शौर्य और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 1999 का युद्ध सबसे चुनौतीपूर्ण था, लेकिन हमारी सेना ने 60 दिनों तक चले संघर्ष में अदम्य साहस का परिचय देते हुए विजय प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने सैनिक स्कूल रीवा की भूमिका की भी सराहना की और गर्व जताया कि वर्तमान में थल सेना और

सैनिक स्कूल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

टीआरएस में भाषण व चित्रकला

टीआरएस कॉलेज में करगिल विजय दिवस पर संगोष्ठी, भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी ने कहा कि यह दिवस केवल सैन्य विजय नहीं, बल्कि राष्ट्रप्रेम, साहस और अनुशासन की मिसाल है। उन्होंने छात्रों से अपने जीवन में वीर सैनिकों जैसी दृढ़ता और समर्पण अपनाने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि राजेन्द्र ताम्रकार, विशिष्ट अतिथि मुकेश कुमार और नीलू त्रिपाठी ने भी अपनी बात रखी। संचालन डॉ. अखिलेश शुक्ल ने किया। कार्यक्रम में प्रो. रवीन्द्र धुर्वे, डॉ. बृजेन्द्र कुशवाहा, प्रो. सतेन्द्र पटेल, डॉ. नागेश त्रिपाठी सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

इन छात्रों ने मारी बाजी: भाषण प्रतियोगिता में अभय कुमार चौरसिया प्रथम, नंदिनी तिवारी द्वितीय तथा तृतीय स्थान अंकित पाण्डेय प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम अर्पिता शुक्ला, द्वितीय निशा अग्निहोत्री एवं तृतीय स्थान सतीश सिंह ने अर्जित कर अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया। निर्णायक मंडल में डॉ. वंदना त्रिपाठी, डॉ. एके झा, डॉ. अश्विनी द्विवेदी, डॉ. सरिता पाठक, डॉ. फरजाना बानो तथा डॉ. रावेन्द्र सिंह रहे।

जिनकी नींव इसी विद्यालय में रखी गई थी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राज्य मंत्री प्रतिमा ... विधायक दिव्यराज सिंह, विधायक सिद्धार्थ तिवारी, विधायक नरेंद्र प्रजापति, जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, सैनिक स्कूल के प्राचार्य कर्नल अविनाश रावल और अन्य अधिकारी

शहीदों के परिजनों और वीर नारियों का सम्मान

रीवा@पत्रिका. अखिल भारतीय पूव सैनिक सेवा परिषद जिला इकाई के तत्वावधान में कारगिल विजय दिवस समारोह का आयोजन मानस भवन किया गया। मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल थे और अध्यक्षता प्रान्तीय अध्यक्ष मेजर जनरल निश्चय राउत ने की। विशिष्ट अतिथि सांसद जनार्दन मिश्र व पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी रहे। कार्यक्रम पूर्व सैनिकों और शहीदों के परिजनों का सम्मान किया गया। इसके पहले पूर्व सैनिकों ने शहर में शहीदों के सम्मान में बाइक रैली भी निकाली। कार्यक्रम में ब्रिगेडियर एसबी सिंह, सार्जेन्ट रमेश पाण्डेय, सुबेदार प्रहलाद सिंह, सुबेदार बीपी तिवारी, कर्नल जीपी सिंह, कर्नल सिवानन्द मिश्रा, कैप्टन प्रदीप सिंह परिहार, डॉ. कल्पना मिश्रा, डॉ. राकेश पटेल, शिवशंकर शुक्ला मेजर रमेश प्रसाद तिवारी, कैप्टन बीजी शर्मा सहित भारी संख्या में पूर्व सैनिक व शहीदों के परिजन मौजूद रहे।

इनका हुआ सम्मान: सम्मानित होने वालों में शहीद सिपाही रामचरण शुक्ल की वीर नारी सियादुलारी, शहीद नायक आरएन मिश्रा की वीर नारी कृष्णा मिश्रा, शहीद लैंन्स नायक रामसजीवन जायसवाल की वीर नारी देववती जायसवाल, शहीद नायक सुभाष कुमार त्रिपाठी की वीर नारी मीना त्रिपाठी, शहीद नायक देवेन्द्र कुमार द्विवेदी की वीर नारी सुनीता ... सिंह की वीर नारी सबिता सिंह, शहीद नायक कालू प्रसाद पाण्डेय की वीर नारी श्यामकली पाण्डेय, शहीद सिपाही प्राणनाथ तिवारी की वीर नारी पुष्पा तिवारी, शहीद सिपाही जितेन्द्र कुशवाहा की वीर नारी सविता कुशवाहा, शहीद सिपाही सुधाकर सिंह की वीर नारी दुर्गा सिंह, शहीद सिपाही रामभुवन पटेल की वीर नारी आशा देवी, शहीद नायक भैरव शुक्ला की वीर नारी नैना शुक्ला, शहीद सिपाही अवधेश तोमर की वीर ... रावेन्द्र मिश्री वीर नारी आभा मिश्रा, शहीद प्रधान आरक्षक रामचरण द्विवेदी की वीर नारी सुमित्रा द्विवेदी, शहीद सिपाही प्रदीप जायसवाल की वीर माता रामरती जायसवाल, शहीद मेजर कमलेश पाठक की वीर माता मीरा पाठक, शहीद मेजर आशीष दुबे की वीरमाता गीता दुबे, शहीद लांस नायक दीपक सिंह के वीर पिता गजराज सिंह, शहीद सिपाही रघुनाथ द्विवेदी के वीर पिता आरएस ...

रीवा स्टार
स्टार समाचार

कारगिल विजय दिवस पर मुख्यमंत्री ने दी वीर शहीदों को श्रद्धांजलि

सर्जिकल स्ट्राइक व आपरेशन सिंदूर ने हर देशवासी को गौरवान्वित किया: मुख्यमंत्री

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर सैनिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहीद स्मारक में पुष्पचक्र अर्पित कर देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले वीर सैनिकों की शहादत को नमन किया। मुख्यमंत्री ने कारगिल युद्ध में शहीद सैनिकों के चित्र पर भी पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक व ऑपरेशन सिंदूर ने हर देशवासी को गौरवान्वित किया है।

स्टार समाचार | रीवा

इस अवसर पर उन्होंने कारगिल युद्ध में शहादत देने वाले गनर छोटे लाल सिंह की पत्नी विद्या देवी तथा नायक कालू प्रसाद की पत्नी श्यामकली देवी को शाल और श्रीफल कर सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे वीर सैनिक देश की आन-बान-शान के सच्चे प्रहरी हैं। हमारी तीनों सेनाएँ मर्यादा में रहकर देश की सीमाओं की रक्षा के लिए सदैव तत्पर हैं। 1999 का कारगिल युद्ध अब तक का सबसे चुनौती पूर्ण युद्ध रहा है। दुश्मन ने छल से देश की सीमा के अंदर घुसपैठ कर ऊंचे स्थानों पर छिपकर हमला किया था। लेकिन 60 से अधिक दिनों तक चले इस चुनौती पूर्ण युद्ध में हमारी सेना ने अपने पुरूषार्थ और पराक्रम से असंभव से लगने वाले कार्य को भी संभव कर दिखाया। कारगिल युद्ध के दौरान हमें रोज नई वीर गाथाएँ सुनने को मिल रही थी। हमारे प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में वीर सैनिकों ने हर कठिन चुनौती का सामना कर दुश्मन को मार भगाने का काम किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश सशक्त हुआ है। यह देश का स्वर्णिम काल है। आज हमारी सेना अमेरिका और इजराइल की तरह अपने देश की सीमा के बाहर भी दुश्मनों को मारने में सक्षम है। सर्जिकल स्ट्राइक, विंग कमांडर अभिनंदन की वापसी और आपरेशन सिंदूर के माध्यम से देश ने बता दिया है कि यदि आतंकवाद की घटनाएं नहीं रूकी तो उन्हें घर में घुसकर मारेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना के शौर्य और पराक्रम ने प्रत्येक देशवासी को गौरवान्वित किया है।

रीवा सैनिक स्कूल ने दो सेनाध्यक्ष दिये

सैनिक स्कूल के योगदान की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि आज देश की थल सेना और नौ सेना का नेतृत्व करने वाले दोनों अध्यक्ष विन्ध्य के सपूत हैं और उनकी नींव सैनिक स्कूल में रखी गयी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के लिए शहादत देने वाले लोग बहुत ही पुण्यशाली होते हैं।

वीरता के पहिये को दिखाई हरी झंडी

इस अवसर पर भारतीय सेना की डेयर डेविल टीम द्वारा अपने साहसिक कारनामों से अतिथियों में ऊर्जा का संचार किया गया तथा सभी को देश प्रेम की भावना से ओतप्रोत किया। कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री ने भारतीय सेना के मोटर साइकिल अभियान "वीरता के पहिये" को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, सांसद जनार्दन मिश्र, विधायक सिरमौर दिव्यराज सिंह, विधायक त्यौंथर सिद्धार्थ तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्य नागरिकों ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर वीर सैनिकों की शहादत को नमन किया।

कारगिल दिवस सेना के शौर्य को प्रदर्शित करता है: डिप्टी सीएम

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि कारगिल विजय दिवस हमारी सेना के शौर्य एवं पराक्रम को प्रदर्शित करता है। हमारी सेना ने दिखा दिया की जो हमारी तरफ आख उठाने की हिम्मत करता है उसका हम मुंह तोड़ जवाब देते हैं। मानस भवन रीवा में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद द्वारा आयोजित कारगिल विजय दिवस के अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने वीर नारियों का शाल और श्रीफल से सम्मान किया। उन्होंने कहा कि हमारे वीर सैनिकों की शहादत चिर स्मरणीय रहेगी और उनके अदम्य साहस का गुणगान हमेशा होता रहेगा। कार्यक्रम में सांसद जनार्दन मिश्र, सहित वीर सैनिकों के परिजन एवं भूतपूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

विंध्य पूर्व सैनिक कल्याण संगठन ने मनाया कारगिल विजय दिवस

पूर्व सैनिक कल्याण संगठन द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि एवं शौर्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल शामिल हुये। इस दौरान भूतपूर्व सैनिकों को सम्मानित किया गया। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय में यह कार्यक्रम कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर आयोजित किया गया।